पाठ 10: मन्नू भंडारी (एक कहानी यह भी)

प्रश्न 1: लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?

RBSE 2020 RBSE 2026

Most Important

लेखिका के व्यक्तित्व पर मुख्य रूप से दो लोगों का गहरा प्रभाव पड़ा:

1. पिता का प्रभाव: पिता के शक्की और क्रोधी स्वभाव के कारण लेखिका में हीन-भावना आ गई। लेकिन पिता ने ही उन्हें राजनीति से परिचित कराया और घर की रसोई (भटियारखाने) से दूर रखा, जिससे उनमें देश-प्रेम और समाज के प्रति जागरूकता पैदा हुई।

2. शीला अग्रवाल (हिंदी शिक्षिका) का प्रभाव: शीला अग्रवाल ने लेखिका की हीन-भावना को दूर किया, उनमें गज़ब का आत्मविश्वास भरा और उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ही लेखिका को अच्छे साहित्य की पहचान कराई।

प्रश्न 2: लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।

RBSE 2022

RBSE 2025

लेखिका और उनके पिता के विचारों में ज़मीन-आसमान का अंतर था। पिता चाहते थे कि लेखिका देश-दुनिया की खबर रखे, लेकिन उसकी **आज़ादी केवल घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहे**। वे समाज में अपनी झूठी प्रतिष्ठा बनाए रखना चाहते थे। इसके विपरीत, लेखिका सड़कों पर उतरकर नारे लगाना, हड़तालें करवाना और आज़ादी के आंदोलन में खुलकर भाग लेना चाहती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर वैचारिक टकराहट होती थी।

प्रश्न 3: मन्नू भंडारी के बचपन की उन घटनाओं का उल्लेख कीजिए जिन्होंने उनमें हीन-भावना भर दी थी।

RBSE 2023

लेखिका बचपन में बहुत दुबली-पतली और **काले रंग** की थी। दूसरी ओर, उनकी बड़ी बहन सुशीला गोरी, स्वस्थ और हँसमुख थी। लेखिका के पिता गोरे रंग को बहुत पसंद करते थे, इसलिए वे हर बात में सुशीला की तारीफ़ करते और लेखिका की तुलना उससे करते थे। पिता द्वारा लगातार की गई इस उपेक्षा ने लेखिका के मन में एक गहरी 'हीन-भावना' (Inferiority complex) भर दी थी, जो बड़ी होने पर भी पूरी तरह नहीं गई।

प्रश्न 4: आज़ादी के आंदोलन में लेखिका के योगदान का वर्णन कीजिए।

RBSE 2024

सन् 1946-47 में स्वतंत्रता आंदोलन पूरे शबाब पर था। लेखिका (मन्नू भंडारी) ने शीला अग्रवाल की प्रेरणा से इस आंदोलन में सक्रिय भाग लिया। उन्होंने अपने कॉलेज की लड़कियों को हड़ताल के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सड़कों और चौराहों पर बिना किसी डर के जोशीले भाषण दिए, जुलूस निकाले और प्रभात फेरियाँ कीं। उनके एक इशारे पर पूरे शहर की लड़कियाँ उनके साथ चल पड़ती थीं।

Schorbit